केकड़ी से जिले का दर्जा खारिज करने के संकेतों के बाद लोगों में आक्रोश

केकड़ी के विभिन्न सामाजिक व व्यापारिक संगठन जिला बचाओ आंदोलन में शामिल हुये, आज केकड़ी बंद का आव्हान

केकड़ी, (निसं)। केकड़ी से जिले का दर्जा खारिज करने की अटकलों के बीच केकड़ी के लोगों में आक्रोश का उबाल फूट पड़ा है। विभिन्न सामाजिक व व्यापारिक संगठन पर अब खुलकर विरोध में आ गये हैं तथा सरकार को केकड़ी को हटाने का फैसला लेने से पहले आगाह करने में लग गए हैं।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार को विभिन्न सामाजिक संगठनों ने जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर केकड़ी जिले को यथावत रखने की मांग की है। वहीं जिला बार एसोसिएशन ने भी आन्दोलन का बिगुल फूंक दिया। गुरूवार से शुरू हुई बार एसोसिएशन की पेनडाउन हडताल शुक्रवार को दूसरे दिन भी जारी रही। शुक्रवार को अधिवक्ताओं ने उपखण्ड कार्यालय के बाहर टेंट लगाकर धरना प्रदर्शन किया।

इस मौके पर अधिवक्ताओ ने कहा कि केकड़ी जिला हम सब का मान और सम्मान है सरकार केकड़ी जिले को हटाने का फैसला लेती है तो सरकार के खिलाफ वो उग्र आन्दोलन करेंगे। इस मौके पर अधिवक्ताओ ने कहा कि केकड़ी जिला सरकार को करोड़ों का राजस्व दे रहा है फिर भी सरकार जिले के बजट का रोना रो रही है। अधिवक्ताओं ने कहा कि केकड़ी जिला हर मापदण्ड पर खरा उतरता है, जिला हटाने के संकोतों के बाद से ही आमजन में भारी निराशा है। जिला बनने के बाद केकड़ी जिले के लाखों लोगों की उम्मीदों के पंख लगे थे लेकिन अब सरकार गैर जिम्मेदाराना रवैया अपनाकर जिले को हटाती है तो आमजन को भारी निराशा होगी। इधर लगातार दूसरे दिन न्यायिक कार्य के बहिष्कार के कारण अधिवक्ताओ के चैम्बर बंद रहे जिससे परिवादियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

अधिवक्ताओं ने धरना प्रदर्शन के दौरान सर्वसम्मति से शनिवार को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत का बहिष्कार करने का निर्णय लेते हुए केकड़ी जिले को यथावत रखने के लिए शनिवार को सम्पूर्ण केकड़ी बंद का निर्णय लिया गया। उन्होंने बताया कि केकड़ी बंद को विभिन्न सामाजिक संगठनों व व्यापारिक संगठनों ने समर्थन दिया है। बार अध्यक्ष रामावतार मीणा ने कहा कि जिले को हटाने के कयासों के बाद से केकड़ी में विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है, लेकिन सरकार ने अब तक आश्वस्त नहीं किया है कि केकड़ी जिले को नहीं हटाया जाएगा। इसलिए सरकार को समय रहते आश्वासन देना चाहिए ताकि आन्दोलन रूक सके अन्यथा आन्दोलन और अधिक उग्र रूप धारना कर सकता है।

जिला बचाने के लिए बार एसोसिएशन को दाधीच दाहिमा समाज, अग्रवाल समाज, पठान समाज, क्षत्रिय खटीक समाज, लोधा समाज, रेगर समाज, आदर्श बडवा समाज, केकड़ी सर्राफा संघ, अखिल भारतीय बैरवा महासभा, पाराशर समाज, अखिल भारत हिन्दू महासभा, रावणा राजपूत समाज, देशवाली समाज, देवसेना, राजेश पायलट किसान संगठन, अखिल भारतीय जाट महासभा, क्षत्रिय महासभा, पार्षद मंजू बज, दिगम्बर जैन समाज, प्रान्तीय रेगर महासभा, अम्बेडकर वेलफेयर सोसायटी, विश्व हिन्दू परिषद आदि संगठनों ने समर्थन दिया है।

जिला बचाने के लिए कलेक्ट्रेट के बाहर दूसरे दिन भी धरना जारी:- केकड़ी जिला बचाओ समिति के तत्वाधान में जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय के बाहर दूसरे दिन में धरना प्रदर्शन जारी रहा। दूसरे दिन बडी संख्या में लोगों ने पहुंचकर अभियान को अपना समर्थन दिया। समिति के संयोजक रामावतार सिखवाल ने बताया कि धरना प्रदर्शन में केकड़ी शहर के साथ आसपास के गांवो के लोग भी शामिल हुए। इस मौके पर वैष्णव समाज, टैक्सी यूनियन, ट्रांसपोर्ट यूनियन, महिला सहायता समूह, केकड़ी वरिष्ठ जन संघ, प्रॉपर्टी डीलर संघ, अखिल भारतीय हिन्दू महासभा सहित अन्य संगठनों के लोगों ने धरने में शामिल होकर अपना समर्थन दिया।

वहीं दूसरी और भीम आर्मी व आजाद समाज पार्टी ने भी जिला कलक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर केकड़ी जिले को यथावत रखने की मांग की है। इस मौके पर आजाद समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष डीएल वर्मा, प्रेमचन्द मोची, द्वारका प्रसाद चंदेल, जगन्नाथ डिडवानिया, हेमराज रेगर, परमेश्वर लाल वर्मा, ओमप्रकाश बडोला, प्रभुलाल जागृत, सूरजकरण आदि मौजूद थे।

- जिला बार एसोसिएशन ने भी आन्दोलन का बिगुल फूंका, पेनडाउन हडताल दूसरे दिन भी जारी रही

केकड़ी जिले को यथावत रखने की मांग को लेकर केकड़ी में जिला बार एसोसिएशन ने पेन डाउन हड़ताल कर प्रदर्शन किया।

सांसद रावत की आपत्ति पर कक्षा नौ की पुस्तक से गलत तथ्य हटेंगे

सांसद रावत के पत्र के बाद मुख्यमंत्री कार्यालय ने संशोधन के आदेश जारी किए

उदयपुर, (कासं)। सांसद डॉ. मन्नालाल रावत ने राजस्थान राज्य पाठ्यपुस्तक मंडल, जयपुर द्वारा कक्षा 9 के लिए प्रकाशित पुस्तक में मानगढ़ धाम के संत गोविंद गिरी महाराज के अलग भील राज्य बनाने के लिए प्रेरित होने संबंधी गलत टिप्पणी प्रकाशित किए जाने को लेकर गहरी आपत्ति व्यक्त की है। सांसद डॉ. रावत ने इस संबंध में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखा। मुख्यमंत्री कार्यालय ने इसे गंभीरता से लेते हुए प्रारंभिक शिक्षा विभाग को पाठ्यक्रम में आवश्यक संशोधन के निर्देश दिए हैं।

पत्र में सांसद डॉ. रावत ने बताया कि कक्षा 9 की पुस्तक राजस्थान का स्वतंत्रता आंदोलन एवं शौर्य परंपरा के अध्याय 4 में पृष्ठ संख्या 42 पर लिखा है कि सामंती एवं औपनिवेशिक सत्ता द्वारा उत्पीड़क व्यवहार ने गोविंद गिरी एवं उनके शिष्यों को सामंती व औपनिवेशिक दासता से मुक्ति प्राप्त करने हेतु भील राज्य की स्थापना की योजना बनाने की ओर प्रेरित किया।

सांसद रावत ने मुख्यमंत्री को अवगत कराते हुए कहा कि पुस्तक में प्रकाशित उक्त कथन पूर्णत: तथ्यों से परे हैं। मूलत: यह आंदोलन चेतना जागरण का आंदोलन था, जिसे संत गोविंद गिरी ने संप सभा का गठन करके अहिंसक तरीके से शुरू किया। वे तो अपने अनुयायियों के साथ पूर्णिमा के दिन मानगढ़ धाम पर हवन कर रहे थे। आदिवासी समाज के लोग वहां अपनी आस्था के अनुसार आहुति देने के लिए घी व श्रीफल लेकर पहुंचे थे। उसी दिन 17 नवंबर 1913 को अंग्रेज सेना ने इस आंदोलन को समाप्त करने के लिए क्रांतिकारियों का जघन्य नरसंहार किया।

इस के बाद संत गोविंद गिरी को गिरफ्तार कर आजीवन कारावास व उनके एक साथी पूंजा धीरा भील को काले पानी की सजा सुनाई। राजद्रोह का फर्जी मुकदमा दर्ज करने के लिए रिकॉर्ड में भील राज्य स्थापना की झूठी टिप्पणी लिखी अंग्रेजों ने संत गोविंद गिरी जी के विरुद्ध राजद्रोह का फर्जी मुकदमा दर्ज करने के लिए इस घटनाक्रम में अपने रिकॉर्ड में झूठा तथ्य अंकित किया। औपनिवेशिक दृष्टि से भीलराज स्थापना की टिप्पणी जबरन लिखवाई।

सांसद मन्नालाल रावत ने पत्र में लिखा कि इस टिप्पणी को उल्लेखित पेरा के रूप में पढ़ाया जाना सकल राष्ट्रीय चेतना के विरुद्ध है। इसे अक्षरश: इसी रूप में नहीं लेना चाहिए। इस विषय पर विशेषज्ञों के शोधपत्रों एवं तथ्यों को लेते हुए पाठ्यपुस्तक में उक्त टिप्पणी को संशोधित किया जाना आवश्यक है।

- सांसद डॉ. मन्नालाल रावत ने इस संबंध में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखा

कोटा। पुलिस लाइन में स्थित नया गांव की पहचान का प्रतीक प्राचीन वट वृक्ष अचानक देर रात में धराशाही होकर गणेशजी के मंदिर पर आ गिरा। यहां के लोगों की मान्यता है कि यह वट वृक्ष करीब 220 साल पुराना है, जो कि रिटायर्ड इंडियन आर्मी ऑफिसर श्रवण लाल कुशवाहा के परदादा स्व. केशव कुशवाहा ने अपने बचपन में लगाया था। श्रवण लाल ने कहा कि गणेशजी का बहुत-बहुत धन्यवाद जो इस आपदा को अपने ऊपर लिया और इसमें किसी की कोई जान-माल की हानि नहीं हुई।

संवेदकों का टेंडर बहिष्कार, ज्ञापन सौंपा

दौसा, (निसं)। नगर परिषद के संवेदकों ने बकाया भुगतान और टेंडरों पर रोक लगाने की मांग को लेकर एसीएम को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया कि नगर परिषद द्वारा जारी किए गए कार्य टेंडरों को समय सीमा में पूरा करने के बावजूद उनकी ओर से बकाया राशि का भुगतान नहीं किया गया है। संवेदकों का कहना है कि नगर परिषद पर उनका लगभग 15-16 करोड़ रुपये का बकाया है, जो काफी समय से लंबित है। यह राशि प्राप्त करने के लिए वे कलेक्टर, एडीएम और एसडीएम से लगातार मांग कर रहे हैं, लेकिन अधिकारियों की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। इस स्थिति ने संवेदकों में गहरी निराशा और असंतोष पैदा किया है, जिसके चलते उन्होंने टेंडर का बहिष्कार करने का निर्णय लिया है। उनका स्पष्ट संदेश है कि जब तक बकाया राशि का भुगतान नहीं किया जाएगा, तब तक वे कोई नया कार्य नहीं करेंगे।

गहने चोरी करने वाली हरियाणा की सांसी गैंग पकड़ी, चार गिरफ्तार

बस में सवार महिला के बैग के चीरा लगाकर लाखों के गहने चोरी कर ले गए थे

तखतगढ़ थाना पुलिस ने बसों में गहने चोरी करने वाली हरियाणा की सांसी गैंग के चार बदमाशों को गिरफ्तार किया।

पाली, (निसं)। तखतगढ़ थाना पुलिस ने बस में सवारियों के बैग के चीरा लगाकर उनमें रखे रुपए-गहने चोरी करने वाली हरियाणा की शातिर सांसी गैंग के चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे में वारदात के दौरान उपयोग ली कार भी जब्त की। रिमांड के दौरान चोरी किए गए गहने इनकी निशानदेही पर बरामद करने का पुलिस प्रयास करेगी।

एसपी चूनाराम जाट ने बताया कि 1 सितंबर को जालोर जिले के आहोर के बेदाणा कलां गांव की रहने वाली वदूदेवी पत्नी पुखराज कुमावत अपने बेटे रामलाल के साथ बस में तखतगढ़ आई थी। लौटते समय सांडेराव की ओर जा रहे थे। इस दौरान चार अन्य लोग भी उनके साथ गाड़ी में सवार थे जिन्होंने महिला व उसके बेटे को बातों में उलझाया और बैग में चीरा लगा कर सोने-चांदी के गहने चुराकर ले गए। मामला दर्ज कर पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की। सीसीटीवी फुटेज से आरोपियों के बारे में पुलिस को अहम सुराग हाथ लगे, जिनका पीछा किया और पड़ताल की तो हरियाणा के जिंद और हिसार गांव की गैंग द्वारा यह वारदात करना सामने आया।

चार आरोपियों को किया गिरफ्तार मामले में पुलिस ने पुलिस ने हरियाणा के हिसार जिले के गगनखेड़ी (हांसी सदर) निवासी सन्नी उर्फ सुनिल उर्फ चिन्ना पुत्र धर्मवीर सांसी, हरियाणा के हिसार जिले के सुलचानी (नारनौंद) निवासी नरेन्द्र उर्फ नन्ना पुत्र प्रेम सांसी, मोट रागड़ान नारनौंद निवासी रामनिवास पुत्र रोकनराम सांसी और सुनिल उर्फ सुल्लु पुत्र ताराराम सांसी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इनके कब्जे में वारदात में उपयोग ली कार भी जब्त की। आरोपियों ने पाली, जालोर, सांचोर, अजमेर में भी वारदातें करना स्वीकार की। आरोपियों को पकड़ने में तखतगढ़ थाने के हेड कांस्टेबल पदमाराम, कांस्टेबल सांवलाराम, तेगबहादूर की मुख्य भूमिका रही।

- पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात के दौरान उपयोग में ली गई कार भी जब्त की
- आरोपियों ने पाली, जालोर, सांचोर, अजमेर में भी वारदातें करना स्वीकार की

चूरू निवासी शिक्षक को मिला न्याय

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान उच्च न्यायालय की एकलपीठ के न्यायाधीश फरजंद अली ने माध्यमिक शिक्षा विभाग की ओर से राजस्थान सिविल सेवा अपील अधिकरण के 21 जुलाई 2022 के आदेश के विरूद्ध प्रस्तुत रिट याचिका को खारिज कर दिया।

चूरू निवासी दिनेश कुमार की नियुक्ति राजस्थान अधीनस्थ शिक्षा सेवा नियम 1971 के नियम 20 के तहत द्वितीय श्रेणी वरिष्ठ अध्यापक के रूप मे 22 दिसंबर 1996 को उपनिदेशक माध्यमिक शिक्षा चूरू के द्वारा की गई। इसके अनुसरण में प्रार्थी ने 11 जनवरी 1997 को कार्यग्रहण कर लिया। इसके बाद 31 मई 1997 को आदेश जारी कर प्रार्थी को पुन: कार्यमुक्त कर दिया। 27 जून 1997 को उसे पुन: कार्यग्रहण करवाने का आदेश विभाग द्वारा पारित किया गया। पुन: कार्यग्रहण आदेश के क्रम में प्रार्थी ने 1 जुलाई 1997 को पुन: कार्यग्रहण कर लिया।

माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा उसकी सेवाओं की गणना जुलाई 1997 से की व उसे वर्ष 1997 के ग्रीष्मावकाश का वेतन भी नहीं दिया गया। साथ ही उससे चयनित वेतनमान के लाभ के लिये भी उसकी सेवाओं की गणना जुलाई 1997 से की गयी। सेवा संबंधी सभी लाभ उसे 11 जनवरी 1997 से ना देकर जुलाई 1997 से प्रदान किये गये। जबकि उसके द्वारा कार्यग्रहण 11 जनवरी 1997 को कर लिया गया था। अपने सेवा की गणना जनवरी 1997 से करने व अन्य लाभ जैसे चयनित वेतनमान, ग्रीष्मावकाश का वेतन आदि के लिये प्रार्थी ने विभाग के समक्ष कई बार निवेदन भी किया गया, परन्तु विभाग द्वारा कोई कार्यवाही नहीं गयी। विभाग के इस कृत्य से व्यथित होकर दिनेश कुमार ने एक अपील राजस्थान सिविल सेवा अधिकरण के समक्ष वर्ष 2019 मे प्रस्तुत की। वर्ष 2022में अधिकरण ने प्रार्थी के पक्ष में फैसला करते हुए उसे जुलाई 1997 के स्थान पर जनवरी 1997 से सेवा भी गणना करने चयनित वेतनमान का लाभ व वर्ष 1997 के ग्रीष्मावकाश का वेतन देने का आदेश 21 जुलाई 2022 को पारित किया।

पुष्कर में उदासीन आश्रम में स्थित भगवान शिव के मंदिर में शाम के समय कोबरा सांप को देखकर पुजारी समेत आश्रम के सेवादारों में हड़कम्प मच गया। संध्याकालीन आरती के ठीक पहले करीब पांच फीट लंबा स्पेक्टिकल कोबरा सांप दरवाजे के पीछे आकर छिप गया, जिस पर पुजारी पृथ्वीकान्त शर्मा की नजर पड़ गई। इसकी सूचना तुरन्त ही टीम पुलिसमित्र को आश्रम के पुजारी द्वारा दी गई। पुलिसमित्र टीम इंचार्ज के साथ स्नेक रेस्क्यूएर राजेन्द्र वच्चानी, मनीष कुमावत मौके पर पहुंचे। मंदिर परिसर की छानबीन करने पर कोबरा सांप को दरवाजे के पीछे छुपा पाया गया जिसे स्नेक रेस्क्यूएर राजेन्द्र वच्छनी द्वारा पकड़कर मंदिर परिसर में मौजूद पुजारी व सेवादारों को जानकारी देकर भयमुक्त किया गया।

पालिका ने फोगिंग करवाई

मालपुरा, (निसं)। भारी बारिश के बाद खाली भूखण्डों व नीचे के क्षैत्रों में जलभराव होने से पनप रहे मलेरिया व डेंगुजनित मच्छरों से आमजन को राहत दिलाने के लिये पालिका अध्यक्ष व ईओ के निर्देशों पर शहर में फोगिंग करवाई गई। अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी जयनारायण जाट ने बताया कि पार्षदों की मांग व शहरवासियों की समस्या को गंभीरता से लेते हुये अध्यक्ष सोनिया सोनी व ईओ राहुल पारीक के निर्देशों पर शुक्रवार की शाम वार्डों में फोगिंग शुरू की गई। रोजाना चार वार्ड का रोस्टर बना फोगिंग सभी 35 वार्डों में की जायेगी।

मालपुरा पालिका की बोर्ड बैठक में कई प्रस्ताव पारित हुये

नवीन जिला अस्पताल भवन, हेलीपेड निर्माण सहित दीवाली पर सजावट का प्रस्ताव पारित हुआ

मालपुरा, (निसं)। मुख्यमंत्री की बजट घोषणा में केबिनेट मंत्री व मालपुरा विधायक कन्हैयालाल चौधरी के अथक प्रयासों से मालपुरा शहर में नवीन जिला अस्पताल की मिली स्वीकृति पर भवन निर्माण के लिये पालिका से भूमि आवंटन को लेकर शुक्रवार को पालिका अध्यक्ष सोनिया सोनी की अध्यक्षता में बुलाई गई बैठक में पहुंचे 11 भाजपा व दो निर्दलीय सहित 13 पार्षदों की मौजूदगी में जिला अस्पताल व हेलीपेड निर्माण के लिये भूमि सहित दीपावली पर सजावट व आतिशबाजी के प्रस्ताव ध्वनिमत से पारित हुये।

राज्य सरकार के आदेश व केबिनेट मंत्री के निर्देशों पर शुक्रवार को बुलाई गई बोर्ड की महत्वपूर्ण बैठक का ऐजेंडा सभी 35 पार्षदों को सात दिन पूर्व लिखित में देने के बावजूद शुक्रवार को हुई बैठक में कांग्रेस से पार्षद बने पांच पार्षदों सहित कांग्रेस समर्थित 12 निर्दलीय व भाजपा के युधिष्टर सिंधी व सौरभ कनोजिया बैठक में अनुपस्थित रहे। निर्धारित समय पर शुरू हुई बैठक में भाजपा के डॉ. अंकित जैन, लोकेश बडोलिया, मणिशंकर सैनी, श्योजीराम शर्मा, बाबूलाल नावरिया, लक्ष्मी सैनी, नेहा विजय, ललीता सिंधी, मोनिका सोनी, समीक्षा सुराशाही सहित निर्दलीय रमेश सैनी व सुरेन्द्र राव ने बैठक में रखे तीनों प्रस्ताव पर अपनी सहमति जताकर पारित किया। भाजपा के श्योजीराम शर्मा ने मिटिंग के कार्यवाही रजिस्टर में अपना पक्ष दर्ज करवाते हुये बताया कि अस्पताल के पास अखिल भारतीय च्यवन गौड ब्राह्मण समाज की धर्मशाला व छात्रावास की भूमि पर समाज गत तीस साल से काबिज है। उक्त भूमि पर पक्का व पुख्ता निर्माण किया हुआ है। ऐसे में बिना समाज का पक्ष जाने व उसे संतुष्ट किये बगैर उक्त भूमि से समाज को बैदखल करना न्याय संगत नहीं है। ऐसे में उक्त भूमि को छोड शेष भूमि को ही अधिग्रहण किया जावे। जिस पर पालिका अध्यक्ष व ईओ ने पुनर्विचार कर उचित निर्णय का विश्वास दिलाया। बैठक में मौजूद पार्षद नेहा विजय सहित लोकेश बाडोलिया, मोनिका सोनी, अंकित जैन ने शहर मे चरमराई सफाई व्यवस्था को सुचारू करवाने व सभी वार्डों में विकास कार्य जल्द शुरू करवाने की आवश्यकता जताई। साथ ही भाजपा के बोर्ड मे भाजपा की सरकार मे भाजपा के ही पार्षदों के काम नहीं होने व उनकी शिकायतों का निस्तारण नहीं होने पर पार्षदो ने कड़ी नाराजगी जताई। बैठक से नदारद रहे पालिका उपाध्यक्ष पवन मैन्दवास्या सहित कांग्रेस व निर्दलीय पार्षदो ने बैठक के पश्चात प्रेस नोट जारी कर बताया कि 14 महिने बाद हुई बोर्ड बैठक में वार्डों में विकास कार्यों का ऐजेन्डा शामिल नहीं करने के कारण वो बैठक में नहीं पहुंचे। अस्पताल व हेलीपेड बने इसके वो विरोध में नहीं है। दीपावली पर सजावट व आतिशबाजी की निविदा ऑफलाईन के बजाय ऑनलाईन की जाये जिससे कार्य में पारदर्शिता रहेगी। किसी प्रकार का कोई भ्रष्टाचार नहीं होगा। आज मालपुरा शहर के हालात बिगड़े हुये हैं। सफाई व लाईट व्यवस्था चरमराने व पालिका के बेसकिमती भूखण्डों पर कब्जे होने के बावजूद कार्यवाही नहीं हो रही है। गंदगी से डेंगु व मलेरिया का प्रकोप बढ़ रहा है। इन सब समस्याओं के समाधान को भी बोर्ड बैठक में शामिल करते तो बेहतर होता।

मालपुरा पालिका सभागार में हुई बोर्ड बैठक में अध्यक्ष सोनिया सोनी सहित कई पार्षद मौजूद रहे।

- बैठक में 35 में से महज 12 पार्षद व पालिका अध्यक्ष ही मौजूद रही, भाजपा के दो पार्षदों सहित कांग्रेस के सभी पार्षद नदारद रहे